## MAHANTH MAHADEVANAND MAHILA MAAHAVIDALAYA, ARA ACTIVITY REPORT

Name of the department: Sanskrit

Name of activity: antar rastrtriye sangodhti (do divasiye)

Level of activity: Departmental

Date of activity: 17/04/2021 -18/04/2021

Head of the department: Dr. Manoj kumar

Name of resource persons: VC (vksu)

Number of teacher participated: 150

Number of student participated: 30

Manoj Kumar Sanskrit department MM Mahila College, Ara

## 17 अप्रैल से कर्मयोग की प्रासंगिकता विषय पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के जुल्लाक

जासं, आरा : एमएम महिला महाविद्यालय में श्रीमद्भागवत गीता के कर्मयोग की प्रासंगिकता विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होगा। यह सेमिनार 17 एवं 18 अप्रैल को आयोजित होगा। इसकी तैयारी में महाविद्यालय प्रशासन जुट गया है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. आभा सिंह ने कई शिक्षकों को अलग-अलग कार्य सौंपा है। सेमिनार में गुजरात के श्री सोमनाथ संस्कृत यूनिवर्सिटी के कुलपित गोपाबंधु मिश्रा, नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रो. नारायण बारल, डॉ. शांतिकृष्णा अधिकारी, बनारस हिंदु यूनिवर्सिटी के प्रो. भगवतशरण शुक्ल, त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाल के डॉ. सुबोध शुक्ला, लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय के डीन प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के डॉ. आशोक कुमार दुबे, बीबीए बिहार यूनिवर्सिटी मुजफ्फरपुर के प्रकाश पांडेय, सनातन शक्तिपीठ संस्थान के डॉ. भारत भूषण पांडेय और बीएच विश्वविद्यालय के प्रो. भगवत शरण शुक्ल हिस्सा लेंगे। डॉ. आभा सिंह ने बताया कि सेमिनार को लेकर कई कमेटियां बनाई गई हैं।

विभिन्न योगों पर होगी चर्चाः सेमिनार में

## कर्मयोग की प्रासंगिकता पर होगा मंथन

महाभारत के भीष्म पर्व का अंश है श्रीमद्भागवत गीता। 18 अध्यायों में विभवत गीता का अध्ययन अनेक दृष्टिकोण से किया जाता रहा है। भिवत सम्प्रदाय के लिए यह भिवतपरक ग्रंथ है। कुछ इसमें सांख्य दर्शन के सूत्रों को देखते हैं, तो कुछ वेदांत दर्शन का ग्रंथ मानते हैं। उपनिषद, ब्रह्मसूत्र एवं गीता को सम्मिलित रूप से वेदांती प्रस्थानत्रयी नाम से अभिहित करते है। एक दृष्टि यह कर्मयोग की विवेचना करता है।

नैतिकता एवं कर्म योग, तनाव निवारण में कर्मयोग, आत्मज्ञान में कर्मयोग, सामाजिक संबंध एवं कर्मयोग, ध्यानयोग एवं कर्मयोग, आंतरिक परिवर्तन का माध्यम कर्मयोग, आधुनिक जीवन एवं कर्मयोग, व्यक्तित्व के विकास में कर्मयोग, नेतृत्व विकास में कर्मयोग, सार्थक कर्म, अधिकतम कार्योत्पादन में सहायक कर्मयोग, आनंददायी कर्म का उपकरण कर्मयोग, प्रबंधन एवं कर्मयोग, ज्ञानयोग, भित्तमय एवं कर्मयोग पर वक्ता अपना विचार रखेंगे।